Godda College, Godda

Name of the Teacher	course	Sem	Title	Mode
Dr. Pankaj Kumar	B.Ed	2nd year	Achievement Test	pdf

PKumar
16/04/2020

प्रश्न संo - 03. अपनी पसंद की किसी विषय वस्तु पर एक उपलब्धि परीक्षण का निर्माण कीजिए।

उत्तर → छात्रों के निष्पादन को जाँचने की कई मनोवैज्ञानिक विधियाँ हैं, जिसमें एक प्रमुख विधि द्वारा उनके निष्पादन की किसी मनोवैज्ञानिक परीक्षण के साथ मापना है। उपलब्धि परीक्षण द्वारा किसी निश्चित अवधि में छात्रों द्वारा अर्जित किए गए ज्ञान एवं कौशलता को मापा जाता है।

ईबल (1965) के अनुसार - " उपलब्धि परीक्षण वह अभिकल्प है जो विद्यार्थी के द्वारा ग्रहण किए गए ज्ञान, कुशलता या क्षमता का मापन करता है।"

मुपर (1967) के शब्दों में - " एक उपलब्धि या क्षमता परीक्षण यह ज्ञात करने के लिए प्रयोग किया जाता है कि व्यक्ति ने क्या और कितना सीखा तथा वह कोई कार्य कितनी अच्छी - जाँची कर लेता है।"

उपलब्धि परीक्षण के उद्देश्य :-

⇒ विद्यार्थी के योग्यता का ज्ञान - विद्यालयी विषयों के भिन्न - भिन्न कक्षाओं में पढ़ाए जाने वाले विषयों एवं विधाओं द्वारा अर्जित योग्यता की जाँच उपलब्धि परीक्षण द्वारा की जाती है।

⇒ शिक्षकों के अध्यापन की सफलता का अनुभव - यदि विद्यालयी विषयों में विद्यार्थी द्वारा उपलब्धि परीक्षण के आधार पर अच्छे अंक प्राप्त कर लिए जाते हैं तो यह इस तथ्य को स्पष्ट करता है कि शिक्षकों का अध्यापन सफल रहा है।

Scanned with CamScanner

⇒ विद्यार्थियों के वर्गीकरण में सहायक - उपलब्धि परीक्षण के माध्यम से विद्यार्थियों द्वारा प्राप्त अंकों के आधार पर उन्हें बहुत कम, सामान्य, अधिक तथा बहुत अधिक योग्यता की श्रेणियों में अलग-अलग विभक्त कर दिया जा सकता है।

⇒ विद्यार्थियों को अध्ययन हेतु प्रेरणा प्रदान करना :- उपलब्धि परीक्षण के परिणामों को जान लेने के पश्चात् विद्यार्थियों को अध्ययन हेतु प्रेरणा प्रदान की जा सकती है।

⇒ विद्यार्थियों के बौद्धिक स्तर का अनुमान - उपलब्धि परीक्षण के प्राप्तांक इस बात का स्पष्ट संकेत देता है कि सामूहिक या व्यक्तिगत रूप से विद्यार्थियों का बौद्धिक स्तर कैसा है।

⇒ पाठ्य-वस्तु के परिवर्तन का आधार - उपलब्धि परीक्षण के प्राप्त आँकड़ों के आधार पर पाठ्य-वस्तु में अपेक्षित परिवर्तन का ज्ञान स्पष्ट हो जाता है। पाठ्य-वस्तु में आवश्यकतानुसार परिवर्तन उपलब्धि परीक्षण के प्राप्तांक के आधार पर ही किया जाता है।

⇒ शिक्षण - विधियों की उपयोगिता तथा कमियों का ज्ञान - उपलब्धि परीक्षणों के माध्यम से विद्यालयों में प्रयुक्त शिक्षण-विधियों की उपयोगिता तथा कमियों का ज्ञान प्राप्त कर लिया जाता है।

⇒ कक्षोन्नति में सहायक - किसी विद्यार्थी को कक्षोन्नति दी जाए या उसी कक्षा में रोका जाए का स्पष्ट ज्ञान उपलब्धि परीक्षण के माध्यम से सम्भव हो जाता है।

Scanned with CamScanner

उपलब्धि परीक्षण का निर्माण :

अध्यापक विद्यार्थियों से कुछ योग्यताएँ, कौशल और अभिवृत्तियों को विकसित करने के लिए उन्हें सक्षम बनाते हैं। शिक्षित करने के बाद विद्यार्थियों का मूल्यांकन करने की आवश्यकता पड़ती है। अध्यापक विद्यार्थियों की उपलब्धि का विश्लेषण करने के लिए परीक्षाओं का निर्माण (रचना) करते हैं। इन परीक्षाओं को विकसित करने के लिए निम्नलिखित कदम उठाए जाते हैं।

- परीक्षण के लिए योजना निर्माण
- परीक्षण के लिए रूपरेखा निर्माण
- ब्लूप्रिंट तैयार करना
- मदों को लिखना
- मदों की व्यवस्था
- अंक कुंजी एवं
- प्रश्नों का विश्लेषण.

- परीक्षण के लिए योजना निर्माण :-

(a) परीक्षण का उद्देश्य

(b) अधिकतम समय और अधिकतम अंक का उल्लेख

(a) परीक्षण का उद्देश्य - सामान्य तौर पर, स्कूली परीक्षाएँ और कोई परीक्षाएँ ज्ञान, कौशल, समझदारी, अनुप्रयोग उद्देश्यों का परीक्षण करने के लिए तैयार की जाती है।

(b) अधिकतम समय और अधिकतम अंक का उल्लेख :- प्रश्न पत्र प्रारूप में अधिकतम अंक एवं अधिकतम समय का उल्लेख आवश्यक रूप से होना चाहिए।

Scanned with CamScanner

• प्रश्नपत्र के लिए रूपरेखा निर्माण:-

(a) उद्देश्य की भारिता

(b) विषयवस्तु की भारिता

(c) प्रश्नों की भारिता

(d) कठिनाई स्तर की भारिता

(a) उद्देश्य की भारिता:-

क्रमांक	उद्देश्य	अंक	प्रतिशत
01.	ज्ञान	3	12
02	बोध	2	08
03	प्रयोग	6	24
04	विश्लेषण	8	32
05	संश्लेषण	4	16
06	[illegible]	2	08
कुल		25	100

(b) विषय वस्तु की भारिता

क्रमांक	विषयवस्तु	अंक	प्रतिशत
01	प्रकरण -01	15	60
02	प्रकरण -02	10	40
कुल		25	100

Scanned with CamScanner

(c) प्रश्नों की भारिता :-

क्रमांक	प्रश्नों का प्रकार	प्रश्नों की संख्या	अंक	प्रतिशत
01	वस्तुनिष्ठ	14	7	28
02	लघु उत्तरीय	7	14	56
03	निबंधात्मक	1	4	16
कुल		22	25	100

(d) कठिनाई स्तर की भारिता :-

क्रमांक	प्रश्नों का स्तर	अंक	प्रतिशत
01	आसान	5	20
02	सामान्य	15	60
03	कठिन	5	20
कुल		25	100

ब्लूप्रिंट तैयार करना :-

उद्देश्य → / प्रश्नों के प्रकार	ज्ञान			बोध			प्रयोग			विश्लेषण			संश्लेषण			मूल्यांकन			कुल अंक
	O	SA	E	O	SA	E	O	SA	E	O	SA	E	O	S.A	E	O	SA	E	
विषय-वस्तु प्रकरण-I	2 (4)			1 (2)			2 (4)	2 (1)				4 (1)		2 (1)			2 (1)		15
प्रकरण-II	1 (2)			1 (2)				2 (1)			4 (2)			2 (1)					10
कुल अंक	3	0	0	2	0	0	2	4	0	0	4	4	0	4	0	0	2	0	25
कुल योग	3			2			6			8			4			2			

नोट – O → वस्तुनिष्ठ प्रश्न, S.A - लघु उत्तरीय प्रश्न, E – निबंधात्मक प्रश्न

Scanned with CamScanner

• मदो को लिखना / प्रश्नों को तैयार करना :-

परीक्षा मदे परीक्षा का विशेष आधार निर्मित करती है। एक प्रश्नपत्र निर्माता के विषय का अच्छा ज्ञान होना चाहिए। उसे विषय की संबंधित सामग्री, आदर्श परीक्षा प्रश्नपत्रों (केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड अथवा अन्य) और प्रश्न बैंको (यदि उपलब्ध है) को देखना चाहिए। परीक्षा मदे स्पष्ट, असंदिग्ध और उद्देश्यों के अनुसार होना चाहिए। विभिन्न प्रकार की मदे -निबंध, लघु उत्तर और वस्तुनिष्ठ प्रकार के उत्तरों को पर्याप्त संख्या में लिखना चाहिए।

• मदों की व्यवस्था -

कुछ परीक्षा बोर्डों और विद्यालयों ने पाठ्यवितरण के भागों / अनुभागों में विभाजित किया है। कुछ प्रश्नों के अंदर से विकल्पों की अनुमति दी जाती है। इसी प्रकार के मदे - निबंध, लघु उत्तर, और वस्तुनिष्ठ मदो को एक साथ और कठिनाई के बढ़ते हुए क्रम में रखा जाता है।

• समय का आकलन :-

अध्यापक निर्मित उपलब्धि परीक्षाओं के लिए, केवल अध्यापकों का अनुभव, समय के आकलन के लिए उपयोग होने चाहिए। सामान्य तौर पर कक्षा परीक्षा का समय 40-60 मिनट का होता है जबकि वार्षिक परीक्षाओं का समय - तीन घंटे का होता है।

• अंक कुंजी तैयार करना :-

परीक्षा निर्माता को अंक देने के लिए उपयुक्त निर्देश देने चाहिए। वस्तुनिष्ठ प्रकार के प्रश्नों के बिल्कुल सही उत्तर होने चाहिए। उनके अंक भी दिए जाने चाहिए। लघु उत्तर प्रश्न भी स्वभावतः बिल्कुल विशिष्ट होते हैं

और उत्तरों में संभावित विकल्पों अथवा विचारों का प्रयोग के लिए उचित अंकों के साथ निर्धारण किया जाना चाहिए।

निबंधात्मक प्रश्न के प्रश्न अनेक होते हैं और इसके समान अंक हैं कुछ विकल्पता की जरूरत नहीं। उत्तर के महत्वपूर्ण भागों अथवा बिन्दुओं को उनके अनुरूप अंकों के साथ उल्लेख किया जाना चाहिए।

अंक कुंजी
उत्तर कुंजी

प्रश्न सं.	उत्तर	अंक
1	A	1
2	C	1
3	D	1
4	B	1
5	A	1
6	D	1

- प्रश्नपत्र विश्लेषण

प्रश्न सं.	इकाई	उद्देश्य	प्रश्नों का प्रकार	कठिनाई स्तर	अंक	समय (मिनट)
1	इकाई-1	ज्ञान	वस्तुनिष्ठ	सरल	1	1
2	इकाई-2	बोध	वस्तुनिष्ठ	औसत	1	1
3	इकाई-2	प्रयोग	वस्तुनिष्ठ	सरल	1	1
4	इकाई-1	ज्ञान	वस्तुनिष्ठ	सरल	1	1
5	इकाई-2	विश्लेषण	लघु उत्तर	औसत	2	3
6	इकाई-1	मूल्यांकन	लघु उत्तर	औसत	2	3
7	इकाई-2	प्रयोग	लघु उत्तर	सरल	2	3
8	इकाई-1	विश्लेषण	निबंधात्मक	औसत	4	10